राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 244

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 10 फरवरी 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 16

चुनौती स्वीकार कर छह साल बाद मैदान में उतरे क्रिकेट के भगवान

>> 14

ट्रस्ट 19 को बताएगा मंदिर निर्माण की तारीख

मिले संकेत ▶ नव संवत्सर से हनुमान जयंती के बीच अच्छा मुहूर्त देखकर तय किया जा सकता है काम शुरू करने का दिन

महंत नृत्य गोपाल दास भी हो सकते हैं ट्रस्ट में शामिल

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

अयोध्या में मंदिर निर्माण की तिथि जल्द घोषित हो जाएगी। नव संवत्सर (25 मार्च) से हनुमान जयंती (आठ अप्रैल) के बीच अच्छा मुहूर्त देखकर निर्माण की तारीख तय की जा सकती है। यह संकेत श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद ने दिए। उन्होंने बताया कि पहली बैठक 19 फरवरी को दिल्ली में होगी, जिसमें मंदिर निर्माण का एजेंडा तय किया जाएगा।

उन्होंने संकेत दिए हैं कि श्रीराम मंदिर न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास भी ट्रस्ट में शामिल हो सकते हैं। भाजपा नेता व ट्रस्ट के कामेश्वर चौपाल ने भी बैठक होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, बैठक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वर्तमान कार्यालय यानी आर 20, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1, नई दिल्ली में होगी। बैठक में ट्रस्ट के और दो सदस्यों का चयन किया जाएगा। साथ ही अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष के नाम तय होंगे। मंदिर निर्माण के लिए अन्य विषयों पर भी बैठक में चर्चा होगी। साथ ही अगली बैठक की तारीख भी तय की जाएगी।

स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती। जागरण

कोई विरोध या सवाल प्रासंगिक नहीं : वासुदेवानंद

ट्रस्ट गठन के मामले में उठ रहे सवाल या विरोध के संबंध में स्वामी वासुदेवानंद ने कहा कि अब इनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है। सरकार ने जिन्हें शामिल कर लिया, उनका स्थान योग्यता के आधार पर तय किया गया है। विरोध करने से अब कुछ नहीं होने वाला। ट्रस्ट के जो भी सदस्य बनाए गए हैं, उनसे अभी कोई वार्ता नहीं हुई है। दिल्ली में पहली बैठक में मुलाकात होने पर कुछ बात हो सकेगी।

स्वामी वासुदेवानंद ने रविवार को प्रयागराज के अलोपीबाग स्थित आश्रम में दैनिक जागरण से श्रीराम मंदिर के निर्माण और इसके लिए बने ट्रस्ट के संबंध में विशेष बातचीत की। बताया कि पहली बैठक दिल्ली में होनी है लेकिन, इसमें किन बिंदुओं पर चर्चा होगी, यह उसी बैठक में तय किया जाएगा। इसमें पदाधिकारी चुने जाने के सवाल का जवाब भी उन्होंने हां में दिया। बताया कि अभी पदेन सदस्य के रूप में जिलाधिकारी स्तर के एक आइएएस अफसर को शामिल किया जाना है लेकिन, उनका हिंदू होना अनिवार्य है।

महंत नृत्य गोपाल दास के संबंध में उन्होंने संकेत दिए हैं कि वह भी ट्रस्ट में शामिल किए जाएंगे। बताया कि महंत नृत्य गोपाल दास ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई है। ट्रस्ट में उनकी भूमिका जरूरी है। बताया कि नौ सदस्यों को ये अधिकार दिए गए हैं कि वे किन्हीं दो लोगों का चयन कर सकते हैं। इसी अधिकार का सदुपयोग करते हुए महंत नृत्य गोपाल दास को शामिल किए जाने की ओर उन्होंने इशारा किया।

मंदिर आंदोलन में सक्रिय रहे स्वामी वासुदेवानंद : श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में करीब तीस साल से सक्रिय भूमिका में रहे। मंदिर आंदोलन के दौरान उन्होंने कारसेवा में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। वह श्रीराम कारसेवा समिति के अध्यक्ष रहे हैं। ज्योतिषपीठ बद्रिकाश्रम को लेकर शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से विवाद है। मामला हाई कोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट में है।

कामेश्वर चौपाल ने रखी थी राममंदिर के लिए पहली ईंट

राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने ही नौ नवंबर 1989 को अयोध्या में राममंदिर के लिए पहली ईंट रखी थी। वह बिहार के सुपौल जिले के गांव कमरैल के निवासी हैं। जब राम मंदिर का शिलान्यास किया गया था, उस समय वह विश्व हिंदू परिषद के सह संगठन मंत्री थे। चौपाल भाजपा कोटे से 2002 से 2014 तक विधान पार्षद रह चुके हैं। 1991 में रोसड़ा लोकसभा से रामविलास पासवान के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिसमें हार गए। 2014 का लोकसभा चुनाव वह अपने गृहक्षेत्र सुपौल से लड़े, यहां भी इन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब राम मंदिर बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएंगे। (पेज-5 भी देखें)

सरोकार

काले हीरे की धरती पर अनानास की मिठास

निरसा (धनबाद) : कुछ करने की चाह हो तो रास्ता खुद-ब-खुद बन जाता है। यहां के किसान हरिपद हेंब्रम ने नेपाल से लाए अनानास के दो पौधों से खेती शुरू की और आज खुद अच्छी कमाई करने के साथ दूसरों को भी प्रेरित कर रहे हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

तिल से ताड़...खुलेगा सबकी उम्र का राज

लखनऊ : भारत में कार्बन डेटिंग की पारंपरिक तकनीक से किसी चीज की सटीक उम्र पता लगाना मुश्किल था, क्योंकि नमूनों की जितनी मात्रा की जरूरत थी, वह मिल नहीं पाती थी। अब लखनऊ के बीएसआइपी ने मात्र एक मिलीग्राम नमूने से उम्र का पता लगाने में महारत हासिल कर ली है। (पेज-11)

न्यूज गैलरी

महासमर ▶ पृष्ठ 2

24 घंटे बाद जारी आंकड़ों में 62.59 फीसद मतदान

नई दिल्ली : आप की ओर से चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए जाने के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने रविवार देर शाम मतदान के आंकड़े जारी किए। दिल्ली की 70 सीटों के लिए शनिवार को 62.59 फीसद मतदान हुआ है। उत्तर-पूर्व जिले में सर्वाधिक 68.58 और नई दिल्ली जिले में सबसे कम 56.24 फीसद मतदान हुआ।

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

नागरिकता मिले तो खाली हो जाएगा आधा बांग्लादेश : रेड्डी

हैदराबाद : केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि यदि बांग्लादेशियों को भारत की नागरिकता का आश्वासन दिया जाए, तो आधा बांग्लादेश खाली हो जाएगा। रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को यह साबित करने की चुनौती भी दी कि नागरिकता संशोधन कानून किस तरह 130 करोड़ भारतीयों के खिलाफ है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

'टैक्स रेवेन्यू में 12 फीसद वृद्धि का लक्ष्य पाना संभव'

नई दिल्ली : अगले वित्त वर्ष (2020-21) के लिए टैक्स रेवेन्यू में 12 फीसद की वृद्धि का लक्ष्य मुश्किल भले लग रहा हो, लेकिन राजस्व सचिव अजय भूषण पांडेय यह लक्ष्य हासिल करने को लेकर आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि 10 परसेंट के नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ वाली अर्थव्यवस्था के लिए यह लक्ष्य बहुत मुश्किल नहीं है।

स्पोर्ट्स ▶ पृष्ठ 14

अंडर-19 विश्व कप का नया चैंपियन बना बांग्लादेश

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के पोचेफ्स्ट्रूम में बांग्लादेश ने अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में मौजूदा चैंपियन भारत को तीन विकेट से मात देकर आइसीसी की पहली ट्रॉफी अपने नाम कर ली। उम्मीदों से परे भारतीय टीम यहां 47.2 ओवर में 177 रनों पर ढेर हो गई। बांग्लादेश ने 42.1 ओवर में सात विकेट पर लक्ष्य हासिल कर भारतीय टीम के सपने को तोड़ दिया।

भारत ने कोरोना वायरस से निपटने में चीन को मदद की पेशकश की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को लिखा पत्र

▶ वुहान से भारतीयों को निकालने में सहयोग के लिए आभार भी जताया

कोरोना वायरस की गंभीर होती जा रही स्थिति की सूचनाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पत्र लिखा है। मोदी ने चीन में इस वायरस से हुई मौतों पर संवेदना जताई है, साथ ही भारत की तरफ से हरसंभव मदद की पेशकश भी की है। वैसे चीन की तरफ से आधिकारिक तौर पर भारत से मदद नहीं मांगी गई है लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही नई दिल्ली से मास्क जैसी कुछ चीजों को बीजिंग भेजा जा सकता है। अगर चीन की तरफ से जरूरत जताई जाती है तो भारत दूसरी मेडिकल मदद करने को लेकर भी गंभीर है।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने चीन में फंसे 647 भारतीयों को स्वदेश लाने में वहां की सरकार व प्रशासन से मिली मदद के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद भी दिया है। दोनों देशों के बीच कोरोना वायरस को लेकर लगातार राजनयिक संपर्क बना हुआ है। भारत दक्षिण एशिया के कुछ दूसरे देशों के साथ भी संपर्क में है। कोरोना वायरस की शुरुआत चीन के बड़े औद्योगिक शहर वुहान से हुई थी, जो अब भारत समेत लगभग 25 देशों में फैल चुका है। भारत में भी अभी तक इस वायरस से तीन लोगों के प्रभावित होने की पुष्टि हो चुकी है। पिछले हफ्ते विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला की नई दिल्ली में चीन के राजदूत सून वीडोंग के बीच भी कोरोना वायरस से उपजी स्थिति पर चर्चा हुई थी। इसमें चेन्नई में पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी की मुलाकात में तय एजेंडे पर खास बातचीत हुई। दोनों पक्षों के बीच यह रजामंदी बनी है कि जब तक कोरोना वायरस को लेकर हालात सामान्य नहीं हो जाते हैं तब तक सरकारी अधिकारियों व प्रतिनिधियों के बीच होने वाली प्रस्तावित बैठकें स्थगित रहेंगी।

वीडोंग ने यह भी कहा था कि चीन में रहने वाले भारतीयों के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका देश भारत के साथ और सहयोग और संवाद को मजबूत करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस से गंभीर होते जा रहे हालात को देखते हुए भारत ने चीन से आने-जाने वाले लोगों पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। लोगों को चीन नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। चीन से आने वाले विदेशी नागरिकों को जारी वीजा भी रद कर दिए गए हैं।

चीन में कोरोना से मरने वालों की संख्या सार्स से ज्यादा पेज>>13

साल में एक ही बार जीएसटी में बदलाव की सलाह

जागरण संवाददाता, कोलकाता

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल में एक ही बार जीएसटी दरों में बदलाव के संकेत दिए हैं। रविवार को उन्होंने कोलकाता में कहा, हर तीन माह में समीक्षा से कारोबारियों को भी दिक्कत होती है और सरकार भी राजस्व संग्रह का सही अनुमान नहीं लगा पाती है। इसे देखते हुए उन्होंने जीएसटी काउंसिल को सलाह दी है कि साल में सिर्फ एक बार दरों में बदलाव के बारे में विचार किया जाए। इससे सरकार और उद्योग जगत दोनों को आसानी होगी। वर्तमान में जीएसटी काउंसिल हर तीन महीने पर दरों की समीक्षा करती है।

निर्मला सीतारमण जागरण

वित्त मंत्री ने कहा, इससे उद्योग जगत को मिलेगी मदद, दरों में सुधार के लिए आगे आएं राज्य

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) में 12 फीसद तक हिस्सेदारी की बिक्री कर सकती है। कंपनी की शेष हिस्सेदारी सरकार के पास रहेगी। पेट्रोल-डीजल दरों को जीएसटी में शामिल करने के बारे में कहा, राज्य एकमत हों, तो काउंसिल इस बारे में विचार कर सकती है।

बजट के बाद कोलकाता में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए सीतारमण ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को पूंजी की उपलब्धता से संबंधित सवालों के भी जवाब दिए। उन्होंने कहा, सरकारी व निजी बैंक इस क्षेत्र को कितना कर्ज दे रहे हैं, इस पर कई सचिवों की पैनी नजर है। सरकार इस सेक्टर में पूंजी उपलब्धता के लिए हरसंभव कदम पर काम कर रही है। वित्त मंत्री का कहना था कि डायरेक्ट टैक्स के नए कानूनों से बचत और निवेश घटने की आशंकाएं बेबुनियाद हैं।

वित्त मंत्री ने रविवार को स्पष्ट किया कि सरकार उद्योगों और कारोबारों के साथ लगातार जुड़े रहना चाहती है तथा टैक्स भुगतान को सहज बनाने के लिए उनकी सहायता करेगी। सरकार उद्यमियों और व्यवसायियों से निरंतर संवाद रखना चाहती है। केंद्र सरकार ने टैक्स मामलों में अपील करने तथा भुगतान प्रक्रिया में करदाताओं को अधिकारियों के सामने पेश होने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है और यह नई तकनीक से ही संभव है। इस दौरान मौजूद केंद्रीय वित्त सचिव राजीव कुमार ने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने कारोबार में असली विफलता और धोखाधड़ी के बीच फर्क करने के लिये एक समिति गठित की है।

उद्योगपतियों ने की वित्त मंत्री से भेंट पेज>>12

बारूद के बीच बंगाल में कैसे संभव है शांतिपूर्ण चुनाव : धनखड़

कोलकाता : बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर फिर निशाना साधा है। धनखड़ ने कहा, राज्य में आए दिन विस्फोट होते हैं, जिसमें क्षति आम जनता की होती है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारूद का खुला कारोबार होता है। जिस तरह विस्फोटक बरामद किए जा रहे हैं, ऐसे में भला चुनाव कैसे शांतिपूर्ण हो सकता है। (पेज-4)

ओडिशा में करंट की चपेट में आई बस, 11 लोगों की मौत

भुवनेश्वर : ओडिशा के गंजाम जिले में रविवार शाम एक यात्री बस 11 केवी बिजली तार की चपेट में आने से सात महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत हो गई। 30 लोग घायल हो गए। इनमें आठ की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कटक रेफर किया गया है। शेष का बरहमपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। (पेज-6)

अर्धसैनिक बलों के अफसरों के लिए सिविल सेवा के साथ परीक्षा पर विचार

▶ असिस्टेंट कमांडेंट की परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार अर्धसैनिक बलों में प्रवेश स्तर के अधिकारियों की भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में बदलाव करने पर विचार कर रही है। साथ ही इसको आइएएस और आइपीएस अधिकारियों के चयन के लिए आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा के साथ मिलाने पर भी विचार किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में एक प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। गौरतलब है कि सरकार ने पिछले साल केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को संगठित समूह ए सेवा (ओजीएएस) श्रेणी का दर्जा प्रदान किया था। सीएपीएफ के अंतर्गत केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी)और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) आते हैं। ओजीएएस का टैग मिलने से किसी बल को भर्ती के अपने नियम बनाने और प्रमोशन, भुगतान, कमांड और अपने अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने के अधिकार मिल जाते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सीएपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट की परीक्षा के कार्यक्रम और पाठ्यक्रम में बदलाव को लेकर चर्चा चल रही है। अधिकारियों की नियुक्ति के लिए यह परीक्षा 2003 से ही यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाती है। परीक्षा के पाठ्यक्रम में 2003 से ही कोई बदलाव नही किया गया है। इसको देखते हुए यूपीएससी ने 2017 में केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर परीक्षा के नए कार्यक्रम और पैटर्न पर उसकी सलाह मांगी थी।

अधिकारियों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सरकार ने पिछले साल अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों को ओजीएएस का दर्जा दे दिया था। इसलिए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस), भारतीय विदेश सेवा (आइएफएस) जैसी सेवाओं के साथ अन्य सभी समान सेवाओं के बीच बेहतर तालमेल के लिए अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए ली जाने वाली परीक्षा को भी सिविल सेवाओं की परीक्षा के साथ मिलाने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। अभी सुझावों पर विचार किया जा रहा है और अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

नहीं रहे 'पहला गिरमिटिया' के लेखक पद्मश्री डॉ. गिरिराज किशोर

जागरण संवाददाता, कानपुर

दक्षिण अफ्रीका में मोहनदास के महात्मा गांधी बनने तक के संघर्ष को उपन्यास के रूप में उकेरने वाले 'पहला गिरमिटिया' के लेखक पद्मश्री डॉ. गिरिराज किशोर ने रविवार सुबह अंतिम सांस ली। कूल्हे में चोट के कारण वह तीन महीने से बिस्तर पर थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित बड़ी संख्या में साहित्य, समाज और राजनीति से जुड़ी हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है।

मूलरूप से उप्र के मुजफ्फरनगर निवासी गिरिराज किशोर कानपुर के सूटरगंज में बस गए थे। यहीं उन्होंने साहित्य साधना की। इसमें 'ढाई घर' और 'पहला गिरमिटिया' जैसे चर्चित उपन्यास शामिल हैं। आठ जुलाई 1937 को जमींदार परिवार में जन्मे गिरिराज किशोर ने कम उम्र में ही लेखन शुरू कर दिया था। 1960 से 1964 तक उन्होंने बतौर सेवायोजन व प्रोबेशन अधिकारी नौकरी की। जुलाई 1966 से 1975 तक कानपुर विश्वविद्यालय में सहायक और उप कुलसचिव रहे। दिसंबर 1975 से 1983 तक आइआइटी कानपुर में कुलसचिव का दायित्व संभाला। इस दौरान सेंटर फॉर क्रिएटिव राइटिंग एंड पब्लिकेशन नाम से रचनात्मक लेखन विभाग स्थापित किया। यह देश का पहला आइआइटी है जहां हिंदी लेखन का ऐसा विभाग बना है।

घर पर साहित्यकारों का तांता, साहित्य जगत में शोक की लहर, आज मेडिकल कॉलेज को सौंपी जाएगी पार्थिव देह

डॉ. गिरिराज किशोर फाइल

उन्होंने अनेक कहानी संग्रह, नाटक, लेख, निबंध आदि की रचना की। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने नाटक 'चेहरे चेहरे किसके चेहरे' के लिए उन्हें भारतेंदु सम्मान से नवाजा। पहला गिरमिटिया उपन्यास के लिए बिरला फाउंडेशन ने व्यास सम्मान दिया। 2007 में गिरिराज को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनके पुत्र अनीश के मुताबिक, सुबह साढ़े नौ बजे उनकी हृदयगति रुक गई। उनकी देह चिकित्सा शिक्षा के लिए सौंपने को अंतिम यात्रा सोमवार को दस बजे सूटरगंज से मेडिकल कॉलेज के लिए निकलेगी।

विवाद

विश्व कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भारतीय टीम के लाहौर पहुंचने से खड़ा हुआ विवाद, हैरत की बात यह है कि सरकार को इस बारे में कुछ भी पता नहीं है

बिना अनुमति पाक पहुंच गई भारतीय कबड्डी टीम

▶ खेल मंत्रालय व एकेएफआइ का दावा, किसी को नहीं दी मंजूरी

▶ पाकिस्तान पंजाब के खेल मंत्री ने भारतीय दल का किया स्वागत

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्व कबड्डी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान पहुंचने से विवाद खड़ा हो गया है क्योंकि खेल मंत्री और राष्ट्रीय महासंघ ने दावा किया कि उन्होंने किसी भी एथलीट को पड़ोसी देश में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी है।

पहली बार पाकिस्तान में आयोजित किए जा रहे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भारत से दल शनिवार को वाघा बॉर्डर के जरिये लाहौर पहुंचा। सोशल मीडिया पर भारतीयों के लाहौर में पहुंचने की फोटो और फुटेज आ रही है। टूर्नामेंट सोमवार से लाहौर के पंजाब फुटबॉल स्टेडियम में शुरू होगा। कुछ मैच फैसलाबाद और गुजरात में खेले जाएंगे। खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि सरकार ने किसी भी एथलीट को टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है।

खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा, 'खेल मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने किसी भी टीम को अनुमति प्रदान नहीं की है जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व के लिए अनिवार्य होती है।' भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ (एकेएफआइ) के प्रशासक न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) एसपी गर्ग ने भी कहा कि राष्ट्रीय संस्था ने किसी भी टीम को मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने कहा, 'हमें पाकिस्तान जाने वाली किसी कबड्डी टीम के बारे में कोई सूचना नहीं है। एकेएफआइ द्वारा किसी टीम को पाकिस्तान जाने और वहां कबड्डी मैच खेलने की कोई मंजूरी नहीं दी गई।' सूत्र ने कहा, 'हमें तभी पता चला जब इस बारे में सूचना मांगी गई। एकेएफआइ इस तरह की गतिविधि का समर्थन नहीं करता। ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

विदेशी प्रतियोगिताओं में भागीदारी की प्रक्रिया में राष्ट्रीय महासंघ खेल मंत्रालय को सूचना देता है जो राजनीतिक मंजूरी के लिए विदेश मंत्रालय और सुरक्षा मंजूरी के लिए गृह मंत्रालय को लिखता है, भले ही सरकार इस दल का खर्चा उठा रही हो या नहीं। पाकिस्तान पंजाब के खेल मंत्री राय तैमूर खान भट्टी ने लाहौर के होटल में भारतीय दल का स्वागत किया। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के अधिकारियों ने भारतीय खिलाड़ियों के वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान पहुंचने के बाद फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें सुरक्षा घेरे में लाहौर में होटल पहुंचाया गया।

विश्व कबड्डी चैंपियनशिप के पिछले छह चरण 2010 और 2019 तक भारत में आयोजित हुए थे। भारत ने सभी छह चैंपियनशिप जीती थीं, जिसमें उसने 2010, 2012, 2013 और 2014 में पाकिस्तान को हराया था। पाकिस्तानी आयोजकों ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, जर्मनी, ईरान, अजरबेजान, सिएरा लियोन, कीनिया और कनाडा की टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। विजेता टीम को एक करोड़, जबकि उप विजेता टीम को 75 लाख रुपये की राशि मिलेगी।